

फा.सं. सतर्कता/2-328/2017  
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान  
(सतर्कता प्रकोष्ठ)

अंसारी नगर, नई दिल्ली-29.

दिनांक : 26 OCT 2017

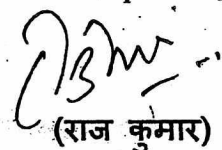
कार्यालय ज्ञापन

विषय: वर्ष 2017 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन-  
दिनांक 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2017.

उपर्युक्त विषयक सुश्री नीलम साहनी, सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के दिनांक 17.08.2017 के परिपत्र संख्या 017/सतर्कता/023 की एक प्रति, एतद्वारा, सूचना एवं अनुपालन हेतु अग्रेषित की जाती है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन दिनांक 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2017 तक होगा जिसका आरंभ दिनांक 30 अक्टूबर, 2017 को प्रातः 11.00 बजे से संस्थान के कर्मचारीगण, चाहे उनका कोई भी पद हो, द्वारा प्रतिज्ञा लेने के साथ होगा, और यह प्रतिज्ञा संबंधित केंद्र प्रमुख/विभागाध्यक्ष/विभिन्न क्षेत्रों के प्रभारी अधिकारी/चिकित्सा अधीक्षक अथवा इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठतम अधिकारी द्वारा दिलायी जाएगी।

इसे निदेशक, एम्स के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

  
(राज कुमार)

प्रशासन अधिकारी (सतर्कता)

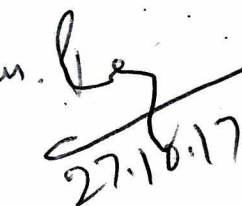
वितरण:

1. केंद्र-प्रमुखगण
2. चिकित्सा अधीक्षक
3. विभाग/अनुभाग/एकक-अध्यक्षगण

संलग्नक : यथोपरि।

प्रतिलिपि: - निदेशक/उप-निदेशक (प्रशासन) महोदय के प्रधान निजी सचिव/संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)/  
संकायाध्यक्ष(अनुसंधान) महोदय के निजी सचिव।

- प्रो. एम. अमन कम्प्यूटर फिलीय: - इस आवाज के साथ कि इसे संस्थान की साइट पर भी अपलोड किया जाए

Mr. Aman.   
27.10.17

No.F.Vig/2-328/2017  
**ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES**  
**(VIGILANCE CELL)**

Ansari Nagar, New Delhi-29  
Dated the:

**26 OCT 2017**

OFFICE MEMORANDUM

Subject:- Observance of Vigilance Awareness Week during the year, 2017 – from 30<sup>th</sup> October to 4<sup>th</sup> November, 2017

A copy of Circular No.017/VGL/023 dated 17.08.2017 of Ms. Nilam Sawhney, Secretary, Central Vigilance Commission, New Delhi on the subject cited above is forwarded for information and compliance.

The Vigilance Awareness Week would begin from 30<sup>th</sup> October to 4<sup>th</sup> November, 2017 at 1100 hrs with a pledge which would be taken by all the employees of the Institute irrespective of their status and would be administered by the respective Chief of Centres/Head of the Departments/the Officer In-charge of various areas/the M.S. or the Senior-most Officer available on the occasion.

This issues with the approval of Director, AIIMS.

  
(RAJ KUMAR)  
ADMN. OFFICER (VIG.)

Distribution: -

1. The Chief of Centres
2. The Medical Superintendent
3. The Head of the Departments/Sections/Units

Encl:- As above.

Copy to: - PPS to Director/DDA/PS to Dean(Acad)/Dean(Research)

**No.F.Vig/2-328/2017**  
**ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES**  
**VIGILANCE CELL**

Ansari Nagar, New Delhi-29  
Dated the:

26 OCT 2017

**OFFICE MEMORANDUM**

Subject:- **Observance of Vigilance Awareness Week during the year, 2017 – from 30<sup>th</sup> October to 4<sup>th</sup> November, 2017**

The Central Vigilance Commission vide their Circular No.017/VGL/023 dated 17.08.2017 has decided that "Vigilance Awareness Week" shall be observed this year from 30<sup>th</sup> October to 4<sup>th</sup> November, 2017. This year the theme of Vigilance Awareness Week is **"My Vision-Corruption Free India"**. A copy of aforesaid circular of the Commission is enclosed here for reference.

In accordance with the instruction of the CVC, it has been decided to observe Vigilance Awareness Week in AIIMS, New Delhi from 30<sup>th</sup> October to 4<sup>th</sup> November, 2017. The Vigilance Awareness Week would begin from 30<sup>th</sup> October, 2017 at 1100 hrs with a pledge which would be taken by all the employees of the Institute irrespective of their status. Details of other programme/activities to be undertaken during the week will be intimated separately.

The Director, AIIMS, New Delhi would **administered the pledge** to all the officials/Staff/working in the Establishment Section (Director Office), Finance Division, Engineering Services Department, Academic Section, Estate Section, General Section, Stores Section(DO), Security Department and **the Director Wing, at P.C. Block Foyer at 11.00 AM on 30.10.2017.**

In view of above, the Dean, Academic Section/Dy. Director (Admn.)/Sr. Financial Advisor/Chief Administrative Officer/Superintending Engineer/Chief Procurement Officer/Dy. Chief Security Officer/Sr. Stores Officer/Admn. Officer Estate Section/General Section are requested to bring this to the notice of all and kindly ensure their presence along with all staff working under them at P.C. Block Foyer at 11.00 AM on 30<sup>th</sup> October, 2017. Copy of the pledge is enclosed for the purpose.

This issues with the approval of Director, AIIMS.

  
(RAJ KUMAR)  
ADMN. OFFICER (VIG.)

**Distribution :-**

- |  |  |
|--|--|
| 1. The Dean  | ] They are requested to come                   |
| 2. The Dy. Director (Admn.)  | ] in the P.C. Foyer at 10.45 am                |
| 3. The Sr. Financial Adviser   | ] on 30 <sup>th</sup> October, 2017 with their |
| 4. The Associate Dean (Academic)   | ] staff working under them.                    |
| 5. The Registrar, AIIMS  | ]  |
| 6. The Superintending Engineer   | ]  |
| 7. The Chief Administrative Officer  | ]  |
| 8. The Financial Adviser   | ]  |
| 9. The Dy. Chief Security Officer  | ]  |
| 10. The Stores Officer (DO)  | ]  |
| 11. The Admn. Officer (General Section)/Estate Section/<br>Estt. Section/Faculty Cell/Recruitment Cell | ]  |

Copy to the S.E. with the request to kindly get the following arrangements made in the main foyer for the above programme:-

1. Platform
2. Public Address System

- प्रोफेसर इन्चार्ज (कम्प्यूटर) की खिलौना :- इस आशय के साथ कि इसे संस्था की साइट पर भी अपलोड किया जाए।

**अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान**

(सतर्कता प्रकोष्ठ)

अंसारी नगर, नई दिल्ली-29.

दिनांक : 26 OCT 2017

**कार्यालय ज्ञापन**

**विषय: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में वर्ष 2017 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन - दिनांक 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2017.**


केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिनांक 17.08.2017 के परिपत्र संख्या 017/सतर्कता/023 के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" इस वर्ष दिनांक 30 अक्टूबर से 04 नवम्बर, 2017 तक मनाया जाएगा। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय है "मेरा स्वप्न भ्रष्टाचार मुक्त भारत"। आयोग के उक्त परिपत्र की एक प्रति संदर्भ हेतु इसके साथ संलग्न है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में दिनांक 30 अक्टूबर से 04 नवम्बर, 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया गया है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आरंभ दिनांक 30 अक्टूबर, 2017 को प्रातः 11.00 बजे से संस्थान के सभी कर्मचारीगण चाहे, उनका कोई भी पद हो, द्वारा प्रतिज्ञा लेने से होगा। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आरंभ किए जाने वाले कार्यक्रम/गतिविधियों के विवरण के संबंध में अलग से सूचित किया जाएगा।

निदेशक, एम्स, नई दिल्ली द्वारा स्थापना अनुभाग (निदेशक कार्यालय) वित्त प्रभाग, इंजीनियरी सेवा विभाग, शैक्षिक अनुभाग, संपदा अनुभाग, सामान्य अनुभाग, भण्डार अनुभाग (नि.का.), सुरक्षा विभाग तथा निदेशक विंग में कार्यरत सभी अधिकारीगण/स्टाफ को दिनांक 30 अक्टूबर, 2017 को प्रातः 11.00 बजे पी.सी. ब्लॉक फॉयर में प्रतिज्ञा दिलवाई जाएगी।

उपर्युक्त को विचार में लेते हुए, संकायाध्यक्ष, शैक्षिक अनुभाग/उप-निदेशक(प्रशासन)/वरिष्ठ वित्त सलाहकार/मुख्य प्रशासन अधिकारी/अधीक्षण अभियंता/मुख्य प्रापण अधिकारी/उप-मुख्य सुरक्षा अधिकारी/वरिष्ठ भंडार अधिकारी/प्रशासन अधिकारी, संपदा अनुभाग/सामान्य अनुभाग से यह अनुरोध है कि कृपया यह सूचना सभी स्टाफ सदस्यगण की जानकारी में ला दें और कृपया यह भी सुनिश्चित करें कि आप अपने अधीनस्थ स्टाफ सहित दिनांक 30 अक्टूबर, 2017 को प्रातः 11.00 बजे, पी.सी. ब्लॉक फॉयर में उपस्थित हों। इस उद्देश्य हेतु प्रतिज्ञा की प्रति संलग्न है।

इसे निदेशक, एम्स के अनुमोदन से जारी किया जाता है

  
(राज कुमार)

प्रशासन अधिकारी (सतर्कता)

**वितरण:**

1. संकायाध्यक्ष ]
2. उप-निदेशक (प्रशासन) ]
3. वरिष्ठ वित्त सलाहकार ]
4. सह-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) ]
5. कुल-सचिव, एम्स ]
6. अधीक्षण अभियंता ]
7. मुख्य प्रशासन अधिकारी ]
8. वित्त सलाहकार ]
9. उप-मुख्य सुरक्षा अधिकारी ]
10. भण्डार अधिकारी (नि.का.) ]
11. प्रशासन अधिकारी, (सामान्य अनुभाग)/संपदा अनुभाग/ ]
- स्थापना अनुभाग/संकाय प्रकोष्ठ/भर्ती प्रकोष्ठ ]

इनसे निवेदन है कि 30 अक्टूबर, 2017 को प्रातः 10.45 बजे पी.सी. फॉयर में अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ आएंगे।

अधीक्षण अभियंता को प्रतिलिपि इस अनुरोध के साथ भेजी जा रही है कि कृपया वे मुख्य फॉयर में उपर्युक्त कार्यक्रम हेतु निम्नानुसार व्यवस्था करवाएं:-

1. मंच
2. पब्लिक एड्रेस सिस्टम

Telegraphic Address :  
"SATARKTA, New Delhi

E-Mail Address  
cenvigil@nic.in

Website  
www.cvc.nic.in

EPABX  
24600200

फैक्स / Fax : 24651186



सत्यमेव जयते

केन्द्रीय सतर्कता आयोग  
CENTRAL VIGILANCE COMMISSION



सतर्कता भवन, जी.पी.ओ. कॉम्प्लेक्स,  
ब्लॉक-ए, आई.एन.ए., नई दिल्ली-110023  
Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex,  
Block A, INA, New Delhi-110023

सं./No. 017/VG1/023-254843

दिनांक / Dated 17.08.2017

Circular No. 08/08/17

Subject:- Observance of Vigilance Awareness Week, 2017.

Central Vigilance Commission, as the apex integrity institution of the country, endeavours to promote integrity, transparency and accountability in public life. Observance of Vigilance Awareness Week every year is part of a multi-pronged approach of the Commission wherein one of the strategies is to encourage all stakeholders to collectively participate in the prevention of and the fight against corruption and to raise public awareness regarding the existence, causes and gravity of and the threat posed by corruption. The Commission has decided that this year the Vigilance Awareness Week would be observed from 30<sup>th</sup> October to 4<sup>th</sup> November, 2017 with the theme "My Vision-Corruption Free India" ("मेरा लक्ष्य - भ्रष्टाचार मुक्त भारत").

2. Corruption can be defined as a dishonest or unethical conduct by a person entrusted with a position of authority, either to obtain benefits to one self or to some other person. It is a global phenomenon, affecting all strata of society in some way or the other. Corruption undermines political development, democracy, economic development, the environment, people's health and much more. It is, therefore, imperative that the public must be sensitised and motivated in the Commission's anti-corruption efforts.

3. E-governance combined with systemic changes in procedures, minimal discretion, reduced public interface, technology based procurements and automation will go a long way in tackling corruption. The Commission has, therefore, been advising all organizations/departments to have in place effective preventive measures to fight corruption and also to enhance transparency and accountability in their functioning. All organizations should strive to eradicate corruption in their respective sphere of activities. The Commission has accordingly chosen "My Vision-Corruption Free India" as the central theme for Vigilance Awareness Week, 2017.

4. The observance of the Vigilance Awareness Week would commence with the Integrity Pledge (copy enclosed at Annexure 'A') by public servants in the Ministries/Departments/Central Public Sector Enterprises (CPSEs)/Public Sector Banks (PSBs) and all other Organisations on 30<sup>th</sup> October, 2017 at 11.00 a.m. It may be noted that the earlier pledge being taken by public servants has now been replaced by the Integrity Pledge.

5. All these Organisations are also advised to conduct activities relevant to the theme both within their organization, and outreach activities for public/citizens as below:-

**A. Activities to be conducted within the organization:**

- A1. Taking of Integrity Pledge by all employees. Employees may be encouraged to take e-pledge by visiting the website. Those who take the pledge verbally may be advised to record it through the website.
- A2. Distribute pamphlets/handouts on preventive vigilance activities, whistle blower mechanism and other anti-corruption measures.
- A3. Conduct workshops/sensitization programmes for employees and other stake holders on policies/procedures of the organization and preventive vigilance measures.
- A4. Bring out special issue of journals/newsletters on vigilance issues, systemic improvements and good practices adopted for wider dissemination and awareness.
- A5. Conduct various competitions such as debates, quiz etc. for the employees and their families on issues relating to anti-corruption;
- A6. Use organizational website for dissemination of employees/customer oriented information and to make available avenues for grievance redressal.
- A7. Promote the concept of e-Integrity Pledge by persons with whom the organization deals with.

**B. Outreach activities for public/citizens:**

- B1. Display of hoardings, banners, posters and distribution of handouts etc. at prominent locations/places in offices/field units and also at places with public interface (eg. branches of Banks, petrol pumps, Railway Stations, Airports etc.).
- B2. Organize grievance redressal camps for citizens/customers by organisations having customer oriented services/activities. Similarly, vendor meets may be organised wherever necessary. It is expected that such camps/meets are held by the organisations not only at headquarters but also at all appropriate field units.
- B3. The Commission had envisaged a concept of "Integrity Pledge" last year. As such two Integrity Pledges are available one for enlisting support and commitment of the citizens and the other for corporates/entities/firms etc. (Annexure 'A' & 'B'). All Ministries/Departments/Organisations need to make renewed and concerted efforts towards disseminating and publicising the 'Integrity Pledge' amongst all employees, their families, vendors/ suppliers/ contractors/ stakeholders/students/citizens etc. so as to elicit wider participation to the initiative of Integrity Pledge of the Commission.

The online "Integrity Pledge" is available on the CVC's website <http://www.cvc.nic.in> and can also be accessed through the hyperlink provided by the Ministries/Organisations.

- B4. Laying stress for creation of awareness on the ill-effects of corruption amongst school and college students, the Commission desires that special efforts may be made by each field unit/branch of every CPSE/ to reach out to students in at least 2 schools and 3 colleges.

In this regard, various activities such as lectures, panel discussions, debates, quiz, essay writing, slogans/elocution/cartoon/poster competitions on moral values, ethics, good governance practices etc. can be organized so as to generate healthy debate on corruption and for ensuring active participation of students of schools/colleges/professional colleges. In order to ensure that there is wide coverage of cities/towns across the country, it is proposed all the various organizations alongwith field units/branches, conduct the outreach activities in schools and colleges in the cities/towns as indicated at Annexures 'C' and 'D'.

- B5. Activities conducted in schools and colleges need to be sustained over a period of time to ensure that ethical values are ingrained permanently in the minds of young generations. All organizations may, therefore, encourage establishment of 'Integrity Club' in schools and colleges as children are the future assets of the country and it is important to cultivate moral values in them.

- B6. Organise "Awareness Gram Sabhas" for dissemination of awareness in Gram Panchayats (in rural and semi-urban areas) to sensitise citizens on the ill-effects of corruption. As was the case last year, this year too the various Public Sector Banks need to request each of their branches to conduct "Awareness Gram Sabhas" in atleast two Gram Panchayats. In addition to Public Sector Banks, other organizations may also organise "Awareness Gram Sabhas" wherever possible.

In this regard, the CVOs of PSBs along with the CMD or his nominee may hold a meeting / video conference with the Heads of their Circle and Regional Offices, Branch Managers, Vigilance Managers and Vigilance Officers to finalise action plan for conducting "Awareness Gram Sabhas" and to monitor the same. The Head of the Regional Office (or of the Circle if there are no Regional Offices) may function as the Nodal Officer for successful implementation of this activity by the branches under their jurisdiction. Indicative list of activities which can be conducted as part of "Awareness Gram Sabhas" is at Annexure 'E'.

- B7. While in the rural and semi-urban areas "Awareness Gram Sabhas" would suffice, in the urban areas, public can be engaged in discussion about corruption by organising "Seminars/Workshops". Hence, all Organizations are requested to hold at least one such seminar at their headquarters/regional offices.

Similarly, PSBs may also ensure that their branches located at block headquarters and district headquarters organize such seminars at each block and at each district headquarters. For this purpose the various bank branches at block and district level may like to coordinate with each other.

- B8. Organizations may also undertake activities such as walkathon /marathon /cyclathon etc., or organise human chain which have a wider appeal across all strata of society in at least one place in the country.

B9. While organising Gram Sabhas and seminars the participation of non-government organisations, corporates in private sector, other institutions, service organisations and public in the local area may be ensured.

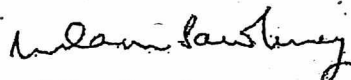
B10. Use extensively social media, bulk sms/E-mail, Whatsapp, electronic and print media etc. for spreading awareness.

B11. Vigilance Study Circles may also participate actively in the VAW by conducting any or all of the outreach activities.

6. The Commission expects all the organizations to conduct the various activities with zeal and enthusiasm to achieve the Commission's objective to eliminate corruption in public life. Although all activities need to be conducted during the Vigilance Awareness Week, however, in case of exigencies/school holidays etc., the same can be conducted before or after the Vigilance Awareness Week.

7. A report on the observance of the Week may be sent by all Ministries/Departments/Organisations to Central Vigilance Commission as per the format enclosed at Annexure 'E' by 30<sup>th</sup> November, 2017.

8. This notification is also available on the Commission's website at <http://www.cvc.nic.in>.

  
(Nilam Sawhney)  
Secretary

Encl: As stated.

To

- (i) The Secretaries of all Ministries/Departments of Government of India.
- (ii) The Chief Secretaries of all States/Union Territories
- (iii) The Comptroller & Auditor General of India
- (iv) The Chairman, Union Public Service Commission
- (v) The Chief Election Commissioner, Election Commission
- (vi) Chief Executives of all CPSEs/Public Sector Banks/ Public Sector Insurance Companies/Financial Institutions/Autonomous Organisations/Societies.
- (vii) All Chief Vigilance Officers in Ministries/Departments/CPSEs/Public Sector Banks/Public Sector Insurance Companies/Financial Institutions/Autonomous Organisations/Societies.



### Integrity Pledge

I believe that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and social progress of our country. I believe that all stakeholders such as Government, citizens and private sector need to work together to eradicate corruption.

I realise that every citizen should be vigilant and commit to highest standards of honesty and integrity at all times and support the fight against corruption.

I, therefore, pledge:

- To follow probity and rule of law in all walks of life;
- To neither take nor offer bribe;
- To perform all tasks in an honest and transparent manner;
- To act in public interest;
- To lead by example exhibiting integrity in personal behaviour;
- To report any incident of corruption to the appropriate agency.



### Integrity Pledge for Organisations

We believe that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and social progress of our country. We believe that all stakeholders such as Government, citizens and private sector need to work together to eradicate corruption.

We acknowledge our responsibility to lead by example and the need to put in place safeguards, integrity frameworks and code of ethics to ensure that we are not part of any corrupt practice and we tackle instances of corruption with utmost strictness.

We realize that as an Organisation, we need to lead from the front in eradicating corruption and in maintaining highest standards of integrity, transparency and good governance in all aspects of our operations.

We, therefore, pledge that:

- We shall promote ethical business practices and foster a culture of honesty and integrity;
- We shall not offer or accept bribes;
- We commit to good corporate governance based on transparency, accountability and fairness;
- We shall adhere to relevant laws, rules and compliance mechanisms in the conduct of business;
- We shall adopt a code of ethics for all our employees;
- We shall sensitise our employees of laws, regulations, etc. relevant to their work for honest discharge of their duties;
- We shall provide grievance redressal and Whistle Blower mechanism for reporting grievances and fraudulent activities;
- We shall protect the rights and interests of stakeholders and the society at large.

## संगठनों के लिए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा

हमारा विश्वास है कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। हमारा विश्वास है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है।

इस दिशा में स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करने तथा रक्षोपाय, सत्यनिष्ठा ढांचा तथा नीति-संहिता स्थापित करने के अपने उत्तरदायित्व को हम स्वीकार करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम किसी भी भ्रष्ट आचरण का हिस्सा नहीं हैं तथा भ्रष्टाचार के दृष्टांतों पर हम अत्यधिक सख्ती से कार्रवाई करते हैं।

हम मानते हैं कि भ्रष्टाचार उन्मूलन करने में तथा अपने कार्यों के सभी पहलुओं में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता तथा सुशासन के उच्चतम मानक बनाए रखने के लिए, एक संगठन होने के नाते हमें सामने से नेतृत्व करना होगा।

अतः हम प्रतिज्ञा करते हैं कि:-

- हम नीतिपरक कार्य पद्धतियों को बढ़ावा देंगे तथा ईमानदारी और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को प्रोत्साहन देंगे;
- हम ना तो रिश्वत देंगे और ना ही रिश्वत लेंगे;
- हम पारदर्शिता, जिम्मेवारी तथा निष्पक्षता पर आधारित निगमित सुशासन की प्रतिज्ञा करते हैं;
- हम कार्यों के संचालन में संबद्ध कानूनों, नियमावलियों तथा अनुपालन प्रक्रियाओं का पालन करेंगे;
- हम अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक नीति संहिता अपनाएंगे;
- हम अपने कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों के ईमानदार निष्पादन के लिए, उनके कार्य से संबद्ध नियमों, विनियमों आदि के बारे में सुग्राही बनाएंगे;
- हम समस्याओं तथा कपटपूर्ण कार्यकलापों की सूचना देने के लिए समस्या समाधान तथा पर्दाफाश तंत्र का प्रबंध करेंगे;
- हम संबंधित पक्षों एवं समाज के अधिकारों तथा हितों का संरक्षण करेंगे।



### सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा

मेरा विश्वास है कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। मेरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है।

मेरा मानना है कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क होना चाहिए तथा उसे सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में साथ देना चाहिए।

अतः, मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि :-

- जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करूँगा ;
- ना तो रिश्वत लूँगा और ना ही रिश्वत दूँगा ;
- सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी रीति से करूँगा ;
- जनहित में कार्य करूँगा ;
- अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करूँगा ;
- भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट उचित एजेंसी को दूँगा ।